I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

प्रथम बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 9 जुलाई 2018 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डा. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया की परिषद का मुख्य उद्देश्य स्टाफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की समस्त गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाया है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवता को बढ़ाया जा सके। और महाविद्यालय में प्रारम्भ हुए नये पाठ्यकम बी. ए. बी.एड. का प्रभावी संचालन करवाकर उसकी जड़े मजबूत करना हैं।

तत्पश्चात डॉ. ललिता धुप्या ने 2017–18 की गतिविधियों पर प्रकाश डाला –

01. महाविद्यालय मे सभी गतिविधियों का आयोजन निर्धारित पंचांग के अनुसार किया गया।
02. विभिन्न कार्यो का संचालन महाविद्यालय प्राचार्या के निर्देशन में गठित विभिन्न कमेटियों द्वारा किया गया। ताकि कार्य सुव्यवस्थित तरीके से प्रभावी गुणवत्ता युक्त महाविद्यालय के मूल्यों को ध्यान में रखकर किया गया।
03. शिक्षण अभ्यास कार्य को प्रभावी बनाने हेतु विषय के शिक्षकों द्वारा प्रदर्शन पाठ देकर उन्हें प्रभावी ढ़ग से व्यवहारिक कार्य करना सिखाया गया ।
04. सत्रभर छात्राओं की महाविद्यालय में समय समय पर अंतर सदनीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न करवाई जिसमें छात्राओं ने सदन प्रभारी के निर्देशन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। और पारितोषिक प्राप्त किये।
05. सभी कार्यो के व्यवस्थित संचालन हेतु महाविद्यालय में निर्धारित मापदण्ड के अनुसार छात्रा परिषद् का विधिवत गठन कर शपथ ग्रहण करवा कर उनसे उत्तरदायित्वों का निर्वाह करवाया गया।
06. अन्य महाविद्यालयों में होने वाली प्रतियोगिताओं में स्थानीय महाविद्यालय की छात्राओं भाग लेकर पारितोषिक प्राप्त किये।
07. महाविद्यालय में सत्र 2017.2018 के आंतरिक मूल्यांकन संबंधी सभी कार्य पूर्ण हो चुका है।
08. बी.ए. बी.एड. के आंतरिक प्रश्न पत्र का तथा वर्कशॉप के मूल्यांकन का कार्य भी पूरा करवाया जा चुका हैं।
09. सैद्धांतिक पाठ्यक्रम सभी विषयों में पूरे हो चुके है कुछ में रिवीजन का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है।
10. शिक्षण अभ्यास का कार्य शाला दर्पण पोर्टल के अनुरूप फरवरी माह में पूर्ण हो चुका है।
11. स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्वास्थ्य शिक्षा पर प्रसार व्याख्यान भी आयोजित किया गया।
12. विशेष आवश्यकता वाले बालको के मूकबधिर विद्यालय, सोना मंदबुद्धि विद्यालय में छात्राओं को भ्रमण करवाया गया ताकि उनकी शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
13. नुक्क नाटक का आयोजन भी शैक्षिक जागरूकता लाने व स्वच्छता के महत्व को संदेश देने हेतु आयोजित किया गया।
14. शैक्षणिक, सहशैक्षिक गतिविधियों के साथ ही ऑपन एयर सेशन, एस.यू.पी.डब्ल्यू संबंधी कार्य भी करवाये गये।

इन कार्यो की जानकारी के साथ ही आगे विकास हेतु अन्य, गतिविधियों के कियान्वन पर चर्चा की गई जो इस प्रकार से है –

01. पूर्व सत्र 2017–2018 के शेष रहे कार्यो जैसे वार्षिक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षा हेतु छात्राओं को उचित प्रभावी मार्गदर्शन कर उसे मजबूत आधार प्रदान किया जाएगा।
02. महाविद्यालय में सत्र 2018–2019 में प्रवेश हेतु कोई परेशानी न आए इस हेतु उत्तम व्यवस्था की जाएगी। सामान्य जानकारी की सभी बाते नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएं तथा इसे हेतु एक अलग काउण्टर की व्यवस्था हो।
03. विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करने, मानवीय गुणों का विकास करने हेतु विविध गतिविधियां समय समय पर आयोजित की जाएगी।
04. विश्वविद्यालय परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हो इस हेतु आंतरिक व्यवस्था उत्तम की जाएगी तथा पुलिस के गार्ड की व्यवस्था हेतु एस. पी. सा. को पत्र भेजा जाएंगा।
05. बी.एड व बी. ए. बी. एड. की छात्राओं में मेल जोल हेतु कुछ सामान्य एक साथ कार्य करवा कर जैसे एक ही छात्रा परिषद्, राष्टीय व सामाजिक पर्वो का एक साथ आयोजन किया जाएंगा।
06. पुरानी व नई छात्राओं के मेल जोल हेतु भूतपूर्व छात्रा परिषद का संगठन किया गया उसकी मीटिंग बुलाई जाएगी। जिससे उनका गेट टूगेदर होगा और विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
07. महाविद्यालय स्टाफ को आगे उपलब्धि बढाने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

08. आई सी टी विभाग को सुधारा जाएगा जो कम्प्यूटर खराब है उन्हें शीघ्र ठीक करवाकर अन्य नये स्टाफ व कम्प्यूटर की व्यवस्था की जायेगी।

09. छात्राओं को हमारी अर्थव्यवस्था के प्राथमिक वयवसाय कृषि, योग आदि से जोडकर इनका भी प्रभावी शिक्षण करवाया जाएंगा।

10. महाविद्यालय संचालन व प्रगति हेतु अभिभावकों से जानकारी की जाए ताकि आगामी योजनाओं का बेहतर निर्माण व कियान्वव हो सके।

11. पुस्तकालय में नये पाठ्यकमानुसार और नई पुस्तकें मंगवाई जाएं।

12. महाविद्यालय पत्रिका प्रतिभा के आगामी प्रकाशन हेतु स्टाफ व छात्राओं के लेख, कविता, रोचक व ज्ञानार्जन तथ्यों को एकत्रित किया जाएगा।

13. महाविद्यालय स्वच्छता व अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

उपरोक्त बिन्दुओं पर ध्यान देकर उन्हें अमन में लाने का आश्वासन देकर मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद देकर मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी शर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महा० महाविद्यालय
महिला आवास, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

द्वितीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13 अक्टूम्बर 2018 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की प्राचार्य डा. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया की परिषद का मुख्य उद्देश्य स्टाफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की समस्त गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाया है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवता को बढ़ाया जा सके।

तत्पश्चात डॉ. ललिता धुप्या ने 2017–18 के सत्र की शेष रही व सम्पन्न हुई गतिविधियों पर प्रकाश डाला

1. 27.07.2018 से नवीन सत्र आरम्भ हुआ। ओरीएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन बी. एड. प्रथम वर्ष तथा बी.ए., बी. एड. प्रथम वर्ष के लिए किया गया।
2. दिनांक 6 अगस्त से बी. एड. द्वितीय वर्ष एव बी. ए. बी. एड. द्वितीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हुई।
3. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया।
4. दिनांक 10 व 11 अगस्त 2018 को बी. एड. द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा स्थानीय महिला आश्रम संस्था के विद्यालय में सम्पन्न करायी गयी।
5. 13 सितम्बर 2018 को नव प्रवेशित छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी रखी गई।
6. 14 नवम्बर 2018 से महिला आश्रम 75 वे वर्ष में प्रवेश करने पर वर्ष पर्यन्त इस वर्ष को विशिष्ट बनाने का निर्णय लिया गया। छात्रा परिषद का गठन किया गया।
7. 05.10.2018 को छात्रा परिषद का शपथ ग्रहण समारोह रखा गया।
8. महाविद्यालय में पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों का संचालन करवाने हेतु छात्राओं को सदनों में बांटा जाएगा ताकि छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित कर उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

सत्र भर आंतरिक कार्यो में सुधार हेतु निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाएगा।

1. महाविद्यालय सामुदायिक कार्यो में भी अपनी सहभागिता दे।
2. छात्राओं के आगामी भविश्य में आदर्श शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया जाए।
3. छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओ के निवारण हेतु निर्देशन परामर्श कमेटी और अधिक कार्य करें।
4. छात्राओं और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थय के लिए भी उन्हें समय–समय पर जागरूक किया जाए।
5. महाविद्यालय में योग, प्राणायाम, ध्यान पर भी कार्यक्रम करवाया जाए ताकि छात्राओं और अध्यापकों का मानसिक विकास हो सके।
6. सहशैक्षिक गतिविधियां जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहित्यिक, खेलकूद करवाये जाए, ताकि छात्राओं में रचनात्मक भाक्ति का विकास हो सके।
7. महाविद्यालय की प्रगति, संचालन के बारे में अभिभावकों को भी जानकारी प्राप्त की जाये ताकि भावी योजना का निर्माण हो सके।
8. विश्वविद्यालय परीक्षाओं को भांतिपूर्ण ढंग सम्पन्न करने के लिए उचित व्यवस्थाओं को बनाया जाए।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा के उपरांत प्राचार्या महोदया ने सभी–सुझावों को क्रियान्वयन का आश्वासन दिया और सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित कर बैठक के समापन की घोषणा की।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, जैतारण (राज.)

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

तृतीय बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय परिषद् अध्यापक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं का चहुंमुखी विकास करने उन्हें स्व–रोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है तथा अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने हेतु प्रयत्नरत है। इस परिषद में निम्नांकित सदस्य है –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)
15. श्रीमती आशा वाप्पारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की तृतीय बैठक 19.01.2019 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई। सर्व प्रथम डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी का स्वागत कर बैठक को प्रारम्भ किया और कहा कि संस्था के 75 वें वर्ष में प्रारम्भ करने पर हम सब बहुत प्रसन्न है। यह संस्था उत्तरोतर प्रगति कर आज एक वट वृक्ष की भांति खड़ी है। अब महाविद्यालय प्रारम्भ हुआ था तब मात्र 120 छात्राएं ही अध्ययन करती थी और अब शीघ्र ही 800 छात्राएं हो जाएंगी वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 550 छात्राएं अध्ययनरत है। आज हमारे महाविद्यालय की पहचान हमारे राज्य के साथ–साथ देश में भी बनी हुई है।

इसके पश्चात् डॉ. ललिता एस. धुप्या ने सत्र 2018–2019 के प्रारम्भ के आधे वर्ष में सम्पन्न हुए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जो इस प्रकार से है –

1. सत्र 2017–18 के शेष रहे सभी कार्य पूरे हो चुके है।
2. नवीन सत्र 2018–19 का प्रारम्भ ओरिएण्टेशन प्रोग्राम के द्वारा किया गया।
3. राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त, शिक्षक दिवस 5 सितम्बर, गांधी शास्त्री जयन्ति 2 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई गई।
4. नव प्रवेशित छात्राओं को फ्रेशर पार्टी दी गई।
5. छात्रा परिषद का विधिवत गठन किया गया निर्धारित मापदण्डों को ध्यान में रखकर
6. बी.ए. बी.एड. की छात्राओं के प्रथम परख सम्पन्न हो चुके है।
7. सभी कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य व ऑरल प्रजेण्टेशन के टॉपिक वितरित कर उनका क्रियान्वन समय सारणी के अनुरूप हो रहा है।
8. 17 दिसम्बर को प्रेरणा दिवस मनाया गया। इस दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा प्रतिभाशाली छात्राओं को पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।
9. कुछ स्टाफ सदस्यों ने पेपर पब्लिश करवाने का कार्य भी सम्पन्न किया।
10. स्टाफ सदस्यों में से कुछ ने अपनी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने हेतु पी.एच.डी. करने हेतु रजिस्ट्रेशन भी करवाये है।
11. स्टाफ सदस्य समय–समय पर अन्य महाविद्यालय में हुए सेमिनार, वर्क शॉप में भाग ले रहे है।
12. महाविद्यालय में छात्राओं को बेहतर भौतिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। उनके लिये पृथक कॉमन रूम, जलपान हेतु कैण्टीन की व्यवस्था भी की गई है।
13. पढ़ने हेतु पुस्तकालय में शैक्षिक पुस्तके, संदर्भ पुस्तके, पत्र–पत्रिकाएं, अखबार आदि की व्यवस्था उपलब्ध है।
14. पृथक भाषा प्रयोग शाला, कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, सामाजिक अध्ययन क्लब, भाषा क्लब, आर्ट एण्ड क्राफ्ट आदि का गठन किया गया। जिसमें अनेक गतिविधियां सम्पन्न करवाई जाती है।
15. छात्राओं को टी.एल.एम. के उपयोग का मार्गदर्शन दिया जाता है ताकि वे अधिगम प्रक्रिया को आसान बना सके तथा अपने शिक्षण कार्य को प्रभावी व रूचिकर तथा स्पष्ट तरह से प्रस्तुत कर सके।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त गतिविधियो से अवगत होने के पश्चात् आगामी सत्र में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला।

1. महाविद्यालय के सभी व्याख्याताओं को आगे अपनी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जाएं।
2. महाविद्यालय में देश के विद्वान शिक्षाविदों के प्रसार व्याख्यान आयोजित करवाकर छात्राओं व स्टाफ को लाभान्वित किया जाएं।
3. महाविद्यालय में भी सेमिनार, संगोष्ठी, कार्यशाला का आयोजन करवाया जाएं।
4. महाविद्यालय में शेष रहे सभी कार्यों का क्रियान्वयन यथा सम्भव महाविद्यालय पंचांग के अनुसार करवाकर समय पर सम्पन्न किये जाएं।
5. शिक्षकों व छात्राओं को पुस्तकें लिखने को प्रोत्साहित किया जाएं।

6. शिक्षकों व छात्राओं को महाविद्यालय समय में मोबाइल पर बात करने व अन्य उपयोग करने से रोका जाएं।
7. शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित किये जाएं ताकि समाज को अपेक्षाओं व सहयोग को मालूम करने में मदद मिल सके।
8. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रायोगिक व सैद्धान्तिक परीक्षा आयोजन प्रभावी तरीके से पूर्ण सुरक्षित माहोल में किया जाएं।
9. शिक्षण कार्य में विशेष रूप से गुणवत्ता का ध्यान रख जाएं ताकि छात्राएं विश्वविद्यालय मेरिट में स्थान प्राप्त कर सके।
10. छात्राओं की अन्तरनिहीत शक्तियों को बाहर निकालने हेतु प्रयास किये जाएं।
11. छात्राओं की व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, शैक्षिक समस्याएं है तो निर्देशन सेल के द्वारा उनको उचित परामर्श देकर, विचार विमर्श कर उनके समाधान का प्रयास किया जाएं।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा कर इनको अमल में लाने का आश्वासन देकर मीटिंग समाप्त की गई तथा सभी को प्राचार्या जी ने धन्यवाद दिया।

Principal
Smt. Narayani Devi Verma
Women Teachers Training College
BHILA

I.Q.A.C. Session 2018-2019

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

चतुर्थ बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिशद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने छात्र–शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में निरन्तर प्रयत्नशील है अध्यापक शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में प्रयत्नरत है।

इस परिषद में निम्न सदस्य है।

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री रोशन लाल सरगरा (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री कमलकांत पाराशर (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. श्रीमती सुधा शर्मा (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)
15. श्रीमती आशा वापारानी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की द्वितीय बैठक 27.04.2019 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई। प्राचार्या जी ने सभी सदस्यों का स्वागत कर बैठक की शुरूआत की।

उन्होनें बैठक का उद्देश्य महाविद्यालय की गुणवत्ता को बढ़ाना तथा छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना बताया।

सर्वप्रथम सत्र भर की गई गतिविधियों के विषय में बताया, हमारी संस्था के विकास के 75 वे वर्ष में प्रवेश करने पर पर हम सभी बहुत प्रसन्न है संस्था उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है प्रबंधन समिति के

सहयोग से हम सभी महाविद्यालय की छात्र संख्या बढ़ा सके है, आज हमारे महाविद्यालय की राजस्थान ही नही वरन देश में पहचान बनी है।

1. 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।
2. दिनांक 4 फरवरी से 8 फरवरी तक बी. एड. प्रथम वर्ष के आलोचनात्मक पाठ रखे गये
3. 9 फरवरी को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में सरस्वती की पूजा कर हवन किया गया।
4. हवन के उपरांत छात्राओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता रखी गई।
5. 12 फरवरी 2019 से एन.सी.टी.ई. के आदेशानुसार उपभोक्ता सप्ताह मनाया गया।
6. 14 फरवरी को श्री शिवचरण माथुर जी की जयंती मनाई गई।
7. 26 फरवरी 2019 को बी.ए., बी.एड. का सामुदायिक कार्य का शुभारम्भ किया गया।
8. 12 मार्च को संस्था की संस्थापिका मां नारायणी देवी वर्मा जी को पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
9. 29 व 30 मार्च 2019 को बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए ओपन एयर सेशन का आयोजन किया गया।
10. बी.एड. प्रथम वर्ष तथा बी.ए.बी.एड. का आंतरिक मूल्यांकन हेतु इकाई परख टेस्ट 9 तथा 10 अप्रैल से प्रारम्भ हुए। जिनके आधार पर आंतरिक मूल्यांकन कर अंक विश्वविद्यालय भिजवाये जाएंगे।
11. इस तरह 2018–19 के सत्र का समापन 30 अप्रैल को हुआ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी वर्ष में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला

1. महाविद्यालय के सभी प्रवक्ताओं को शैक्षिक उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया जाए।
2. वे समय–समय पर राज्य स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार वर्कशॉप कॉन्फ्रेस आदि में भाग लेने गये। जिससे उनका बौद्धिक विकास हो।
3. महाविद्यालय में भी समय–समय प्रख्यात शिक्षाविदो का प्रसार व्याख्यान हो।
4. सेमीनार गोष्ठी का भी आयोजन करे।
5. भूतपूर्व छात्र सम्मेलन भी करवाया जाए, और छात्राओं के भीतर की प्रतिमा का विकास हो सके।
6. राष्ट्रीय एकता के भाव को पुष्ट करने की दृष्टि से 31 अक्टुबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनायी गई, इस अवसर पर निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
   1. स्लोगन प्रतियोगिता 2. निबंध व भाषण प्रतियोगिता
   राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलवाई गई
7. शिक्षकों व छात्रों को महाविद्यालय समय पर मोबाइल पर बात न करने को कहा गया।
8. समय–समय पर महाविद्यालय में प्रसार व्याख्यान, वर्कशाप, सेमीनार करवाये जाए।
9. शिक्षकों को पुस्तके लिखने के लिए भी प्रोत्साहित करे।
10. भूतपूर्व छात्राओं की मीटिंग रखी जाए ताकि वो छात्राओं का मार्गदर्शन कर सके।
11. एलुमिनी मीट में सांस्कृतिक साहित्यिक गतिविधियां भी आयोजित की जाए।
12. महाविद्यालय में छात्राओं के भीतर छिपी शक्तियों को बाहर निकलने के विभिन्न अवसर दिये जाए।

उपरोक्त बिन्दुओं पर चर्चा कर इनको अमल में लाने का आश्वासन देकर मीटिंग समाप्त की गई, सभी को प्राचार्य जी ने धन्यवाद दिया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)